P-585

Total Pages : 3 Roll No. .....

CPS-6

संस्कृत का शिक्षणशास्त्र (भाग-01)

Bachelor of Education (BED)

2nd Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **[Max. Marks : 35**

नोट : यह प्रश्नपत्र पैंतीस (35) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पजुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े नौ (9½) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×9½=19)

1. भारतीय भाषा के रूप में संस्कृत भाषा की प्रकृति का वर्णन करें।

2. वर्तमान युग में संस्कृति अध्ययन-अध्यापन में किन नवाचारों का उपयोग किया जाता है। विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

3. व्याकरण शिक्षण के लिए आगमन-निगमन विधि आधारित एक पाठ योजना का निर्माण कीजिए।

4. संस्कृत शिक्षण की पाठ्यपुस्तक विधि की विशेषताओं एवं सीमाओं का उल्लेख कीजिए।

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

   (अ) विश्लेषणात्मक विधि।

   (ब) व्याकरण अनुवाद विधि।

   (स) सुगम तथा निर्बाध विधि।

   (द) वार्तालाप विधि।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए चार (04) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×4=16)

1. संस्कृत शिक्षण में शिक्षण सूत्रों का प्रयोग क्यों आवश्यक है?

2. माध्यमिक स्तर पर संस्कृत गद्य शिक्षण के उद्देश्य लिखिए।

3. संस्कृत व्याकरण शिक्षण की प्रमुख विधियां कौन-सी हैं?

4. संस्कृत भाषा शिक्षक के गुणों का उल्लेख कीजिए।

5. संस्कृत शिक्षण में इंटरनेट की आवश्यकता क्यों है?

6. वैदिक और लौकिक संस्कृत साहित्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।

7. संस्कृत पद्य शिक्षण के प्रमुख उद्देश्य लिखिए।

8. संस्कृत भाषा का साहित्यिक महत्त्व स्पष्ट कीजिए।